

शामली जावरा



ई-पत्रिका

Volume-24

01-06-2018 To
30-06-2018

शामली जागरण

परिचय

स्थापना / वर्तमान बोर्ड गठन:—

यह निकाय 01 अगस्त 1949 से नगर पालिका घोषित की गयी थी। 01 अप्रैल 1954 से चतुर्थ श्रेणी, अक्टूबर 1959 से तृतीय श्रेणी तथा 01 अप्रैल, 1963 से द्वितीय श्रेणी में है। नगर पालिका परिषद शामली का क्षेत्रफल 26.23 वर्ग कि०मी० है। सन् 2011 की जनगणना के अनुसार नगर की जन. संख्या 1,07,233 है।

वर्तमान में बोर्ड का गठन 19 जुलाई 2012 में हुआ है। श्री अरविन्द संगल अध्यक्ष एवं 25 सदस्य निर्वाचित हुए। शासन द्वारा 05 सदस्य नामित हैं तथा श्रेत्रीय विधायक एवं सांसद नगर पालिका के पदेन सदस्य है।

शामली जागरण

पार्क में महापुरुषों की मूर्तियाँ



शामली जागरण



श्री अरविन्द कुमार सिंह
(अधिशाषी अधिकारी)

श्रीमती अंजना बंसल
(अध्यक्ष)



नगर पालिका परिषद, शामली जून 2018 के ई-पत्रिका शामली जागरण में स्वागत है | जून माह में हुये विकास कार्यों को ई-पत्रिका शामली जागरण के माध्यम से आपसब तक पहुँचाना चाहते हैं | शामली नगर पालिका प्रत्येक माह ई-पत्रिका शामली जागरण के द्वारा नगर पालिका में हुये विकास कार्यों को आपसब के सामने लाने का प्रयास करता है | जिससे शामली नगर पालिका परिषद के विकास और नई योजनाओं से लाभान्वित हो सके | नगर पालिका परिषद शामली का एक मात्र उद्देश्य नगर पालिका का विकास है | जिसमें बिना किसी भेद-भाव, सभी समुदायों के लोगो को एकसाथ लेकर आगे बढने का उद्देश्य है | जिसके लिए नगर पालिका परिषद के निवासियों को इसमें सहयोग महत्वपूर्ण है | और नगर पालिका इसका उम्मीद करता है | नगरवासियों से अपील है की नगर को स्वच्छ और सुन्दर बनाने में नगर पालिका की मदद करे | अपने आस-पास साफ-सुथरा रखे | कूड़ा-कचरा डस्टबिन में रखे,गन्दगी न फैलाये | आने वाले कल अच्छा हो इसके लिये आज बेहतर बनायें |

**Come-on
India
LET'S JOIN
Swachh Bharat
Mission.**

शामली जागरण

Mr. Arvind Kumar Singh
(Executive Officer)



I am happy to present the June 2018 issue to all of you. A number of projects have been commissioned in the month of June. The former will help smoothen the flow of traffic, reduce the travel time of citizens, ease the congestion and reduce pollution on nagar road. There have been a lot of lessons to learned and these insights will certainly stand in good stead with us in our endeavors in future. The one thing that stands out is the most active participation of citizens. We, the residence of the Nagar Palika Parishad Shamli respective of ages, castes, creeds, religions, localities have untidily participated in creation of Shamli's Swachh Nagar Palika Parishad proposal. As I look into the future with great expectation, it is this one aspect of the municipality which gives me the greatest hope. We in the Nagar Palika Parishad Shamli, would be very happy to receive your feedbacks on all matters that you feel are important.



Nagar Palika Parishad Shamli

I am delighted to present the tasks and issue of Shamli Nagar Palika by E-Patrika Shamli Jagaran in June 2018. Nagar Palika Parishad Shamli is grateful to the citizens who displayed tremendous enthusiasm and whole heartedly participated in numerous activities throughout this period. All of us should bear in mind that this is not end but a beginning of the exercise pertaining to development and Swachh Mission program. The coming years will surely be very hectic and eventful. Shamli promises to leave no room for complacency and will work even harder to achieve the targets. We solicit active participation from the citizens in our endeavor. We sincerely believe that decisions taken by Nagar Palika Parishad Shamli should benefit Nagar Palika Parishad Shamli and the citizens in the ultimate analysis. Many projects process in work in Nagar Palika Parishad Shamli for development our Nagar Palika and citizens. Thanks to all citizens of Nagar Palika Parishad Shamli for supporting to develop Shamli.



अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून को मनाया जाता है। यह दिन वर्ष का सबसे लंबा दिन होता है और योग भी मनुष्य को दीर्घ जीवन प्रदान करता है। पहली बार यह दिवस 21 जून 2015 को मनाया गया, जिसकी पहल भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 27 सितम्बर 2014 को संयुक्त राष्ट्र महासभा में अपने भाषण से की थी जिसमें उन्होंने कहा:

"योग भारत की प्राचीन परंपरा का एक अमूल्य उपहार है यह दिमाग और शरीर की एकता का प्रतीक है; मनुष्य और प्रकृति के बीच सामंजस्य है; विचार, संयम और पूर्ति प्रदान करने वाला है तथा स्वास्थ्य और भलाई के लिए एक समग्र दृष्टिकोण को भी प्रदान करने वाला है। यह व्यायाम के बारे में नहीं है, लेकिन अपने भीतर एकता की भावना, दुनिया और प्रकृति की खोज के विषय में है। हमारी बदलती जीवन-शैली में यह चेतना बनकर, हमें जलवायु परिवर्तन से निपटने में मदद कर सकता है। तो आर्येण एक अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस को गोद लेने की दिशा में काम करते हैं।"

जिसके बाद 21 जून को "अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस" घोषित किया गया। 11 दिसम्बर 2014 को संयुक्त राष्ट्र में 193 सदस्यों द्वारा 21 जून को "अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस" को मनाने के प्रस्ताव को मंजूरी मिली। प्रधानमंत्री मोदी के इस प्रस्ताव को 90 दिन के अंदर पूर्ण बहुमत से पारित किया गया, जो संयुक्त राष्ट्र संघ में किसी दिवस प्रस्ताव के लिए सबसे कम समय है।

औपचारिक व अनौपचारिक योग शिक्षकों और उत्साही लोगों के समूह ने 21 जून के अलावा अन्य तारीखों पर विश्व योग दिवस को विभिन्न कारणों के समर्थन में मनाया।^[2]दिसंबर 2011 में, अन्तर्राष्ट्रीय मानवतावादी, ध्यान और योग गुरु श्री श्री रविशंकर और अन्य योग गुरुओं ने पुर्तगाली योग परिसंघ के प्रतिनिधि मंडल का समर्थन किया और दुनिया को एक साथ योग दिवस के रूप में 21 जून को घोषित करने के लिए संयुक्त राष्ट्र को सुझाव दिया।

यदि शरीर व मन स्वस्थ नहीं है,
तो जीवन भार बन जाता है।
जिनके शरीर व मन स्वस्थ नहीं
होते उनके मस्तिष्क में चेतना व
देह में स्फूर्ति नहीं होती। योग
करने से शरीर और मन अच्छे
होते हैं।



Yoga for Harmony & Peace

योगा हमे वो ऊर्जा
प्रदान करता है
जो हम हजारो घंटे भी
अपना काम करके
अर्जित नहीं कर सकते

हैप्पी योगा दिवस



आप सभी को ईद उल फ़ित्र की ढेर सारी बधाइयाँ

ईद या ईद उल फ़ित्र मुस्लिम लोगों का सबसे बड़ा पर्व या त्यौहार होता है। इस दिन को पुरे विश्व के मुस्लिम समुदाय के लोग बहुत ही धूम-धाम से मनाते हैं। ईद उल फ़ित्र के त्यौहार को रमदान का अंतिम समय होता है। रमदान मुस्लिम लोगों का एक पवित्र माह होता है उपवास रखने के लिए। रमदान के लिए, सभी मुसलमान लोग पुरे महीने सभी दिन रमज़ान के चन्द्रमा दिखने तक उपवास रखते हैं। मुस्लिम समुदाय या कुरान के अनुसार यह मनना है की रमज़ान के माह में उपवास रखने से आत्मा का शुद्धिकरण होता है। साथ ही यह भी मानना है कि इस महीने में इस रस्म को निभाने से पूरा जीवन सुख-शांति से गुजरता है। इन उपवास के दिनों को सभी मुस्लिम भक्त या लोग समय अनुसार नमाज़ (पवित्र कुरान को पढ़ते हैं) जिसमें वो गरीबों को खाना खिलाने और उनकी मदद करने के सुविचारों को और भी अच्छे से समझते हैं। रमज़ान के माह के खत्म होने के बाद सभी अपने रोजा (उपवास) को बंद करते हैं। इसी के अगले दिन से सभी लोग ईद का उत्सव मनाने लगते हैं। यह दिन शहवाल के माह के पहले दिन पड़ता है। इस दिन को दुनिया भर के मुस्लिम बहुत ही बड़े पैमाने में मनाते हैं। ईद के दिन सभी मुस्लिम लोग सुबह जल्दी उठते हैं। उसके बाद वे सभी स्नान करके अपने पारंपरिक कपड़ों को पहनते हैं। उनका सबसे पहला काम घर की साफ सफाई और घर को सजाने से शुरू होती है। उसके बाद कुछ लोग दूर के बड़े मस्जिदों और कुछ लोग अपने घर के पास स्थित मस्जिदों में जा कर नमाज़ अदा करते हैं। साथ ही वहां लोग अपने रिहतेदारों और अन्य लोगों से ईद मुबारक कहते हुए गले मिलते हैं। लोग अपने घरों में स्वादिस्ट मिठाइयाँ बनाते हैं और अपने पड़ोसियों और रिहतेदारों को बाटते हैं। साथ ही लोग अपने दोस्तों और रिश्तेदारों को दावत में भी बुलाते हैं। जगह-जगह मेला भी लगता है जहाँ ढेर सारे झूले, बच्चों के लिए खिलौने और मिठाइयाँ भी मिलती हैं। भारत में भी सभी मुस्लिम समुदाय के लोग ईद को बहुत ही धूम धाम से मनाते हैं। अन्य देशों की तरह भारत में भी इस दिन मुस्लिम ईद का त्यौहार मनाते हैं। हिन्दू, सिख, हो या ईसाई सभी इस दिन अपने मुस्लिम भाइयों और दोस्तों को ईद मुबारक कह कर शुभकामनायें जताते हैं। ईद का त्यौहार सब के दिल में एक नया उमंग और भाई भाईचारा की भावना लाता है। इस त्यौहार से लोगों के बीच प्यार बढ़ता है और लोगों के मन से ईर्ष्या और नफ़रत की भावना दूर होती है। अब्राहम ने अल्लाह के आदेश पर अपने पुत्र इश्माएल का बलिदान किया था। उसे भी इस दिन बहुत ही मुख्य तौर पर याद किया जाता है।



पालीथीन को जब्त करते अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद शामली/उपजिलाधिकारी शामली एवम सफाई निरक्षक और कर्मचारी तथा पुलिस फोर्स ।









स्वच्छ भारत मिशन के अन्तर्गत खुले में शौच से मुक्ति के सम्बन्ध में जागरूकता हेतु एक मार्मिक अपील

जागो युवा जागो स्वच्छ भारत है तुम्हारा अधिकार लेकिन पहले उठाओं पहले कर्तव्य का भार

जब होगी हर डगर, हर गली साफ |
तो ही पूरी होगी स्वच्छ भारत की आस ||

हर गाँव हर शहर होगा जब साफ |
तभी हो पाएगा देश का सही विकास ||

स्वच्छ भारत अभियान है एक आस |
ताकि हो भारत देश का सम्पूर्ण विकास ||

स्वच्छता ही है एक मात्र उपाए |
जो सभी को हमेशा स्वस्थ्य बनाए ||

स्वच्छता है महा अभियान |

स्वच्छता मे दीजिए अपना योगदान ||

हाथ से हाथ मिलाना है
गंदगी नहीं फैलाना है
स्वच्छता को अपनाना है

स्वच्छ भारत मिशन शामली

श्री समीर कुमार कश्यप
(अधिशाषी अधिकारी)

श्री अरविन्द संगल
(अध्यक्ष)

शामली जागरण

Contact Us



: www.fageosystems.in



: info@fageosystems.in

Tel/Fax : 01204349756